मेरे सतगुरु दा रूप इलाही चाहे कोई एतबार न करे

मेरे सतगुरु दा रूप इलाही चाहे कोई एतबार न करे - 2
चाहे कोई एतबार न करे - 2
मेरे सतगुरु दा रूप इलाही चाहे कोई एतबार न करे - 2

1 श्यमा असां विच कमिय बथेरियां, चाहे चंगी हाँ मंदी हाँ मैं तेरी हाँ -2
जिथे किरपा उथे होवन सहाई, चाहे कोई एतबार न करे -2
मेरे सतगुरु दा रूप इलाही चाहे कोई एतबार न करे -2

2 एतां राम कृष्ण मुरार जी, कलयुग विच लिया अवतार जी - 2
एतां दुखियां दे इक राम राही, चाहे कोई एतबार न करे -2
मेरे सोहने दा रूप इलाही चाहे कोई एतबार न करे - 2

3 प्रेमा भक्ति दा रास्ता दिखान्व्दे, करके किरपा कोल बुलान्वादे - 2
बेकदरां ने कदर न पाई, चाहे कोई एतबार न करे - 2
मेरे दाते दा रूप इलाही चाहे कोई एतबार न करे - 2

4 लोकी कहंदे ने दिलं दे कठोर जी, दासी कहन्दी है ऐदे जया न होर जी - 2
जेह्दा एड्डी नजर तो गिर जावे, ओहनू ते कोई प्यार न करे - 2
मेरे सतगुरु दा रूप इलाही चाहे कोई एतबार न करे - 2
चाहे कोई एतबार न करे - २

मेरे सतगुरु दा रूप इलाही चाहे कोई एतबार न करे - 2

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/643/title/mere-satguru-da-roop-ilahi-chahe-koi-etbar-na-kare

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |